सत्र 2022–23

Vid Diploma in Performing Art-I Year (V.D.P.A.) Private

S.No.	Paper Description	Maximum	Minimum
01.	Theory		
	Paper- I	100	33
	Paper-II	100	33
02.	Practical – I Demonstration & Viva	100	33
	Grand Total	300	99

सत्र 2022–23
स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु
विद् डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट (V.D.P.A.)
प्रथम वर्ष
तबला–शास्त्र
प्रथम प्रश्न पत्र

पूर्णांक	उत्तीर्णांक
100	33

समय : 3 घंटे

इकाई 1

भारतीय वाद्यों के वर्गीकरण की संक्षिप्त जानकारी। तबले की उत्पत्ति एवं विकास का संक्षिप्त परिचय।

इकाई 2

तबले के दिल्ली एवं अजराड़ा घरानों की जानकारी एवं इन घरानों के वादन की शैलीगत विशेषताएं।

इकाई 3

प्रथमा एवं मध्यमा के पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति। भातखंडे एवं पलुस्कर ताललिपि पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई 4

तबला वादकों की जीवनी एवं उनके वादन की विशेषताएं :–
पंडित रामसहाय, पं. कण्ठे महाराज, पं. कुदऊ सिंह, पं. रामशंकर पागलदास, पं. शारदा सहाय, उस्ताद नत्थू खां, उस्ताद मुनीर खां, उस्ताद अहमदजान थिरकवा, उस्ताद हबीबुद्दीन खां।

इकाई 5

निम्नलिखित वाद्यों का सचित्र परिचय :–
बांसुरी, शहनाई, हार्मोनियम, तानपुरा, पखावज, ढोलक, घुंघरू, बेला (वायलिन) सितार।

सत्र 2022–23
स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु
विद् डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट (V.D.P.A.)
प्रथम वर्ष
तबला–शास्त्र
द्वितीय प्रश्न पत्र

पूर्णांक	उत्तीर्णांक
100	33

इकाई 1

निम्नलिखित तालों को ठाह, दुगुन, तिगुन चौगुन में लिखना –त्रिताल, तिलवाडा, आडाचौताल, कहरवा, दादरा, झूमरा, धमार।

समान मात्रा के तालों का तुलनात्मक अध्ययन।

एकताल–चारताल, झपताल–सूलताल, रूपक–तीव्रा, झूमरा–धमार ।

इकाई 2

लय एवं लयकारी को परिभाषित करते हुए आड़ी, कुआड़ी (सवाई) लयकारी को लिखना। दिये गये बोल समूहों के आधार पर विभिन्न तालों में सम से सम तक की तिहाईयां बनाकर लिपिबद्ध करना।

इकाई 3

त्रिताल तथा रूपक में पेशकार, कायदा, तिहाई, चक्करदार, टुकड़े, परन आदि तालिपि में लिखना ।

इकाई 4

शास्त्रीय गायन, वादन एवं नृत्य में तबला संगति की सामान्य जानकारी। गजल, भजन चैती, कजरी, दादरा इन गीत प्रकारों की जानकारी एवं इनके साथ तबला संगति की जानकारी ।

इकाई 5

निम्नलिखित की उदाहरण सहित परिभाषाएं :– ताल, ठेका, कायदा, पेशकार, मुखड़ा, टुकडा, दमदार तिहाई, बेदमदार तिहाई, सरल परन, चक्रदार परन, फरमाईशी चक्करदार परन।

सत्र 2022–23
स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु
विद् डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट (V.D.P.A.)
प्रथम वर्ष
क्रियात्मक

पूर्णांक	उत्तीर्णांक
100	33

1. त्रिताल, झपताल के अतिरिक्त रूपक में संपूर्ण वादन।
2. त्रिताल में दिल्ली एवं अजराड़ा घराने की विशेषताओं से युक्त बंदिशों को बजाने का अभ्यास।
3. ''धिरधिर किटतक'' एवं '' तिरकिट'' के रेले विस्तार सहित तैयारी में बजाना।
4. त्रिताल में विभिन्न मात्राओं से तिहाईयां बजाने का अभ्यास ।
5. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन, तिगुन तथा चौगुन में पढ़ना तथा तबले पर बजाना।
6. दादरा, कहरवा में लग्गियां तथा तिहाई बजाना।
7. गायन, वादन के साथ तबला संगति की जानकारी।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 – डॉ. एम. बी. मराठे